बर्ड फ्लू/ हाइली पैथोजनिक एवियन इन्फ्लूएन्जा
क्या करें/ क्या न करें

क्या करें:–

1– नवम्बर से मार्च तक पक्षियों पर विशेष सतर्कता बरतें।
2– बीमार पक्षियों को हमेशा स्वस्थ्य पक्षियों से अलग रखें।
3– बर्ड फ्लू से पक्षी के मरने की शंका होने पर पोस्ट मार्टम न करें।
4– पक्षियों में अत्यधिक मृत्यु होने पर पशु चिकित्साधिकारी को सूचित करें।
5– बर्ड फ्लू की सम्भावना होने पर मृत पक्षी को कोल्ड चैन में एन0आई0एच0एस0डी0, आनन्द नगर भोपाल भेजें।
6– क्लोयकल, ट्रेक्यिल स्वैब तथा ब्लड सीरम आदि को(प्रर्याप्त बर्फ में) कैडरेड/आर.डी.डी.एल/बी. एस.एल–3 आईवी0आर0आई0, इज्जतनगर– बरेली भेजें।
7– मृत पक्षियों को गहरे गड्ढे में ऊपर से चूना डाल कर गाड़ दें। गाड़ते समय दस्ताने तथा फेसमास्क,पी0पी0ई0 किट का प्रयोग करें।
8– कुक्कुट एवं कुक्कुट उत्पाद 70 डिग्री सेन्टीग्रेड तापमान पर 30 मिनट तक पकाकर खाने से बर्ड फ्लू नहीं होता है।
9– बर्ड फ्लू से संक्रमित पक्षी के सम्पर्क में आने पर चिकित्सक की सलाह पर टेमी फ्लू दवा खायें।
10– किसी प्रकार की मदद के लिये कन्ट्रोल रूम के दूरभाष संख्या 0522–2741991,2741992 एवं टोल फ्री नम्बर–18001804151 पर बात करें।
11– कुक्कुट पक्षियों के पालने के स्थान/कुक्कुट फार्म के आस–पास जैव सुरक्षा, साफ सफाई, स्वच्छता, डिस्न्फेक्शन सुनिश्चित करें।
12– अच्छी तरह से पकाये हुए कुक्कुट एवं कुक्कुट उत्पाद, अण्डा आदि का उपभोग करें।
13– पक्षियों को हैण्डिल करने के बाद हाथों को डिटरजेन्ट/एन्टीसेप्टिक सोलूशन से अच्छी तरह धोयें।

क्या न करें:–

1– मृत एवं संक्रमित पक्षी के पास न जायें।
2– बर्ड फ्लू से पक्षी के मरने का संदेह होने पर उसका पोस्ट मार्टम न करें।
3– कच्चे कुक्कुट एवं कुक्कुट उत्पाद का प्रयोग न करें।
4– कुक्कुट फार्म पास–पास न खोलें। कम से कम 500 मीटर का फासला रखें।
5– मृत पक्षियों को खुले में न फेकें बल्कि गहरे गडढे में गाड़करऊपर से चूना डालकर दफना दें।
6– कुक्कुट फार्म के आस–पास झाड़िया न उगने दें।
7– बाहरी एवं जंगली पक्षियों को फार्म पर न आने दें।
8– फार्म के आस–पास पानी का तालाब न बनने दें, जिससे कि पानी एकत्र न हो।
9– बाहरी व्यक्तियों को फार्म पर न आनें दें।
10– जहां संक्रमण हुआ हो उस स्थान के भ्रमण से बचें।
11– कुक्कुटों को वाटर फाउल (जल मुर्गी) तथा बत्तखों के साथ न पालें।
12– संक्रमित पक्षियों की लार, आँसू, बीट के सम्पर्क में न आयें।
13– भ्रामक तथा नकारात्मक खबरों से भयभीत न हों। सरकार ने पूर्ण तैयारी कर रखी है।